P-305

Total Pages : 3 Roll No. .....

MASL-505

वेद एवं निरूक्त भाग-02

MA Sanskrit (MASL)

2nd Semester Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. उपनिषदों के वर्गीकरण एवं प्रतिपादन शैली पर प्रकाश कीजिए।

2. उपनिषद् के अनुसार सृष्टि उत्पत्ति एवं कर्मफल के सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित मन्त्र की सन्दर्भ सहित विस्तृत व्याख्या कीजिए :

विद्यां चाविद्यां च यस्तद्वेदोभयं सह।

अविद्यया मृत्युं तीर्त्वा विद्ययाऽमृतमश्नुते।।

4. वेदांगों में व्याकरणशास्त्र एवं निरूक्त के महत्त्व का प्रतिपादन कीजिए।

5. वैशेषिक दर्शन एवं सांख्य दर्शन में उपनिषदों के प्रभावों का वर्णन कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. प्रमुख 10 उपनिषदों का सामान्य परिचय दीजिए।

2. ईशावास्योपनिषद् एवं केनोपनिषद् की विषयवस्तु का वर्णन कीजिए।

3. उपनिषदों के अनुसार सम्भूति एवं असम्भूति के भेद को स्पष्ट कीजिए।

4. वेदांगों के अन्तर्गत कल्पशास्त्र के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

5. शिक्षाशास्त्र के प्रयोजन को स्पष्ट कीजिए।

6. पाणिनि के अनुसार वर्णोच्चारण के शुद्धोच्चारण का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

7. भारतीय दर्शन में सांख्य दर्शन के प्रभाव को वर्णित कीजिए।

8. पाणिनि शिक्षा के अनुसार आठ उच्चारण स्थानों का वर्णन कीजिए।